हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Himachal Pradesh

धौलाधार परिसर-1, , धर्मशाला, जिला-कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश – 176215

DHAULADHAR CAMPUS-1, DHARAMSHALA, DISTRICT KANGRA, HIMACHAL PRADESH –176215

Phone No. 01892-229574; Fax No. 01892-229331; E-mail: registrar.cuhp@gmail.com

प्रेस नोट

दिनांक--16.11.2022

जनजातीय नायकों को रेखांकित करने वाले शोध को मिले बढ़ावा

केंद्रीय विवि में जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. नारायण सिंह राव ने कहा कि औपनिवेशिक शासनकाल में जनजातीय इतिहास को जानबूझकर उपेक्षित रखा गया, इससे भी अधिक दुर्भाग्य यह है कि स्वतंत्रता के बाद भी जनजातीय नायकों को रेखांकित करने वाले शोध पर ध्यान नहीं दिया गया। आज जब देश अमृतकाल में प्रवेश कर रहा है, तब यह आवश्यक हो जाता है कि जनजातीय नायकों के योगदान को शोध के माध्यम लोगों के समक्ष लाया जाय। वह विश्वविद्यालय के जनजातीय अध्ययन केंद्र की ओर से जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल के संरक्षण में आयोजित किया गया ।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा कि जनजातीय समाज प्रकृति और संस्कृति के सबसे बड़े संवाहक हैं। भारतीय संस्कृति और अस्मिता अब भी अपने शुद्धतम रूप में जनजातीय समाज में विद्यमान है। इस कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता के रूप में दीनदयाल अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रो. इंद्र सिंह ठाकुर ने अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज का साहित्यिक अध्ययन करने को गति मिलनी चाहिए। कार्यक्रम का संयोजन जनजातीय अध्ययन केंद्र के मानद निदेशक प्रो. मलकीत सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहायक आचार्य डॉ जयप्रकाश सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में डॉ करतार सिंह, डॉ नरेश कुमार, डॉ चंद्रशेखर, डॉ अमरीक सिंह, डा. संदीप कुमार सिंह सहित एवं विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

पूजा अग्रवाल

जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ)

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला